The 7th JPSC Combined Civil Services Preliminary examinations were held on Sunday, September 19, 2021 at as many as 1102 centres spread across the 24 districts of Jharkhand. As many as 5,35,521 candidates had applied while 3,69,327 applications were found valid.

The Commission was determined to process the evaluation/examination of the answer sheets without undue delay and it put in an extraordinary effort to publish the results after an interval of a record forty-one days only. Significantly, this short interval included a number public holidays for Navratra/Durga Puja.

The declaration of results was met with opposition and protest by certain quarters. A delegation of students met the Secretary of the Commission on November 16, 2021 and later submitted a memorandum to him containing five points of complaint on November 18. The Secretary assured them that the complaints would be looked into and a statement would be made in this regard on Tuesday, November 23 in the Commission office. Thereafter, a delegation of about fifteen persons headed by MLA Shri Naveen Jaiswal (BJP) , MLA Shri Bhanu Pratap Sahi (BJP) and MLA Shri Lambodar Mahto (AJSU) met the Chairman and Secretary who informed them of the factual position demonstrating that the points raised had no bases. The delegation thereafter produced two more petitions with several other points, including some repetitions. The Chairman assured them that even these would be looked into and a written statement with regard to all points raised in the three petitions would be furnished in four days, by Saturday, the 27th of this month. The Commission has looked into the matter and is uploading a complete and comprehensive statement, point wise, with regard to all points raised by the delegation on three different occasions in three separate petitions.

क्रमांक	उठाये गए बिन्दु (प्रतिशब्द)	Factual Position	वस्तुस्थिति
1.	सबसे मजबूत आधार रूपी साक्ष्य है कि कुछ होनहार छात्र अधिक अंक लाकर भी प्रारम्भिक परीक्षा के परिणाम में अनुतीर्ण हुए है जबकि बहुतादाद में कम अंक लाने वाले कतिपय छात्र उत्तीर्ण हुए है, इसका प्रमाण एक छात्र के उत्तर पुस्तिका के कार्बन कॉपी के रूप में सलंग्र किया गया है। जिसका अनुक्रमांक 52236888 है और अंक 230 है, जबकि 266 अंक लाने वाले अभ्यर्थी इस प्रारम्भिक परीक्षा में अनुतीर्ण हो जाता है, जबकि OMR में किसी प्रकार की त्रुटि नहीं है। जबकि अनुक्रमांक 52077036 है। यह सबसे मजबूत और पुष्ट आधार इंगित करता है कि व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है जो परिकल्पना से बाहर है।	It has been argued that candidate with roll number 52077036 has not been declared successful despite scoring 266. This claim has no basis even in the case of an imagined cutoff. The actual position is that the candidate scored only 240 marks while the cut off for his category (UNR) was 260.	ऐसा तर्क दिया गया है कि एक अभ्यर्थी जिसका कमांक 52077036 है उसे 266 अंक मिलने के बावजूद भी उसका चयन नहीं हुआ है । हालांकि बिना कटऑफ की जानकारी हुए यह तर्क आधारविहीन है । फिर भी यह स्पष्ट किया जाता है कि उक्त अभ्यर्थी का अपने कोटि अनारक्षित के कटऑफ 260 से कम 240 अंक ही प्राप्त है ।
2.	क्रमवार तीनो जिलों लोहरदगा, साहेबगंज और लातेहार के एक-एक परीक्षा केन्द्रों से परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए है, जबकि केन्द्रों से 2,3,4 और 5 की श्रेणी में क्रमवार परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए है, जो इस बात को इंगित करना है, परीक्षा हॉल में सही तरीके से पर्यवेक्षण नहीं हुआ या फिर स्थानीय स्तर पर केन्द्र को प्रबंध किया गया, चूंकि इस तरह का परिणाम किसी भी लोक सेवा आयोग द्वारा परिणाम में देखने को नहीं मिलता है कि एक दो केन्द्रों में संयोग हो सकता है मगर इतने सारे केन्द्रों में इस तरह ही परिणाम आना काफी संदेहास्पद है। इसके कारण परिणाम काफी प्रभावित हुआ।	It has been claimed that the candidates with consecutive roll numbers from the centres in three districts, i.e. Lohardaga, Sahebganj and Latehar had been declared passed as also those in series of 2,3,4 5 in various centres. The fact remains that only two such instances have been reported in only two districts Lohardaga and Sahebganj. It is noted that the 7th JPSC was organised for 3.7 lakh candidates, a number which is multifold compared to any other examination conducted by JPSC in the past. Given the scale of the examination, unforeseen circumstances arose with regard to two classrooms (out of over 15,000 classrooms), for which the candidates could not be held responsible. These unforeseen circumstances were not related to any malpractice or cheating. The Commission, keeping the interests of these	ऐसा दावा किया गया है कि तीन जिलों लोहरदगा, साहेबगंज और लातेहार के एक–एक परीक्षा केन्द्र से कमवार परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं, जबकि कई केन्द्रों से 2,3,4 और 5 की श्रेणी के कमवार परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं । ऐसे उदाहरण मात्र दो जिले, लोहरदगा और साहेबगंज में प्रतिवेदित हुए हैं । उल्लेखनीय है कि 7वीं जे0पी0एस0सी0 की परीक्षा 3.7 लाख अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की गई थी, जो जे0पी0एस0सी0 द्वारा आयोजित पूर्व की कई अन्य परीक्षाओं के अभ्यर्थियों की संख्या से कई गुणा अधिक थी । परीक्षा की वृहद् प्रकृति के परिप्रेक्ष्य में दो परीक्षा कक्षों के संबंध में अपरिहार्य परिस्थिति उत्पन्न हुई, जिसके लिए अभ्यर्थियों को उत्तरदायी ठहराया नहीं जा सकता । ये

		candidates in mind, decided to declare them as qualified provisionally, pending further inquiry. Such a decision was further necessary as it was not wise to withhold the entire result for such a small number. Appropriate action shall be taken by the Commission in this regard.	अपरिहार्य परिस्थितियां किसी कदाचार से संबंधित नहीं है । आयोग ने ऐसे अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया कि उन्हें औपबंधिक रूप से क्वालीफाईड घोषित किया जाए तथापि अग्रेतर जांच की कार्रवाई जारी रहेगी । ऐसा निर्णय इसलिए भी आवश्यक था क्योंकि एक छोटी संख्या के मामले को लेकर सम्पूर्ण परीक्षा परिणाम को रोक कर नहीं रखा जाए । इस संबंध में आयोग द्वारा ससमय अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी ।
3.	कोटिवार श्रेणी का कटऑफ marks का जारी नहीं करना अपने आप में अत्यंत संदेहास्पद स्थिति उत्पन्न करता है जिसके परिणाम स्परूप छात्र इस दुविधा में है कि कितने अंकों में उत्तीर्णता हुई है। जैसा की बिहार लोक सेवा आयोग व अन्य लोक सेवा आयोग का परिणाम साछय स्वरुप सलंग्न किया गया है।	The Commission has nothing to hide in this matter and it was only in keeping with the practice followed by UPSC that the thresholds were to be declared after the final result. However, in view of sustained, unceasing and motivated efforts to mislead students at large, it has been decided to declare the same. The cutoffs category wise is annexed.	इस संबंध में आयोग किसी तथ्य को छिपाने की मंशा नहीं रखती है । संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया को आयोग अपनाने की मंशा रखता है, जिसमें परीक्षा का कटऑफ अंक अतिम परीक्षाफल के समय ही जारी किया जाता है । फिर भी अभ्यर्थियों को किसी निहित उद्देश्य से लगातार दिग्भ्रमित किए जाने के प्रयासों के परिप्रेक्ष्य में आयोग ने कटऑफ मार्क्स जारी करने का निर्णय लिया है । कोटिवार कटऑफ संलग्न है ।
4.	कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा जारी संयुक्त असैनिक सेवा, परीक्षा नियमावली - 2021 के खण्ड 17.2 में सभी श्रेणीयों का एक (single) कटऑफ की बात कही गयी है जिसका पालन प्रारम्भिक परीक्षा में नहीं किया गया है।	This claim is based on a wrong and incorrect reading of the Rules.	यह दावा नियमों को गलत रूप से पढ़ने के फलस्वरूप किया गया है ।
5.	इस असैनिक सिविल सेवा परीक्षा जिसका वि० सं० 01/2021 में दिव्यांग श्रेणी के सीटें उल्लेखित हैं अगर उसका कोटिवार परिणाम जारी नहीं किया गया है जो कि एक तकनीकी गड़बड़ी हैं।	The claim is motivated and perhaps intended to mislead students. It is enough for the Commission to satisfy itself that the total number of candidates selected for each category is approximately 15 times the vacancies for the concerned category. While it is not incumbent upon the Commission to set out the numbers, it has been decided by the Commission to make an exception in the instant case to stamp out all motivated efforts to mislead the candidates by declaring that 107 PH candidates have been declared successful against a vacancy of 7, which exceeds 15 times that figure.	यह दावा किसी निहित उद्देश्य से प्रेरित प्रतीत होता है तथा संभवतः अभ्यर्थियों को दिग्भ्रमित करने का प्रयास है । आयोग के लिए यह आवश्यक रूप से संतुष्ट हो लेना अनिवार्य है कि प्रत्येक कोटि में रिक्ति का लगभग 15 गुणा अभ्यर्थियों का चयन आवश्यक रूप से हुआ हो । हालांकि आयोग इस संख्या को जारी करने के लिए बाध्य नहीं है, फिर भी आयोग ने यह निर्णय लिया है कि अपवाद स्वरूप आयोग ऐसा करेगा ताकि अभ्यर्थियों को दिग्भ्रमित करने के सभी प्रयास असफल हो जायें । दिव्यांग श्रेणी में 7 रिक्तियों के विरुद्ध 107 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है, जो कि 15 गुणे से ज्यादा है ।
6.	आयोग द्वारा बनाये गए रिजल्ट का वर्गानुसार अर्थात UNR, EWS, ST, SC, BC-1, BC-2, PH, महिला आदि का कटऑफ मार्क्स जारी किया जाए।	Please refer to serial number 3.	कृपया कंडिका–3 का अवलोकन करें ।
7.	सभी अभ्यर्थियों चाहे वे पास हो या फेल सभी का मार्क्सशीट जारी किया जाए।	This is superfluous. Each candidate has already been provided a carbon copy of his OMR answer sheet,	यह अनावश्यक है । प्रत्येक अभ्यर्थी को OMR Answer Sheet की कार्बन कॉपी दी जा चुकी

		and, therefore the plea shows a lack of knowledge about the examination process.	है । अतः यह अनुरोध परीक्षा प्रक्रिया की जानकारी के अभाव को दर्शाता है ।
8.	एक अभ्यर्थी जिसका क्रमांक 52236888 है जो कि BC-2 वर्ग का छात्र हैं मात्र 230 अंक लाकर पास हो गया है जबकि BC-2 वर्ग के अन्य छात्र 256 अंक लाकर भी फेल हो गए है । आयोग इसे स्पष्ट करे साथ ही और कितने ऐसे अभ्यर्थी हैं जो कम अंक लाने पर भी पास किए गए हैं, आयोग जांच कर पूरी जानकारी दे।	Please refer to serial number 2 & 3.	कृपया कंडिका–2 एवं 3 का अवलोकन करें ।
9.	पूरे भारतवर्ष में झारखण्ड लोक सेवा आयोग ही एकमात्र ऐसा आयोग हैं जहां एक ही सेंटर के एक ही कमरे से सभी छात्र पास कर जाते हैं तो आयोग उन सभी छात्रों जहां जहां एक ही कमरे से सभी अभ्यर्थी पास कर गए हैं, उन सभी प्रतिभावान छात्रों का OMR पब्लिक किया जाए।	It is being claimed that there are classrooms in some centres where all candidates have passed. This is a false claim, therefore, does not require any clarification.	ऐसा दावा किया गया है कि कतिपय परीक्षा केन्द्र के एक ही कमरे से सभी अभ्यर्थी पास हुए हैं । यह दावा तथ्यों से परे है । फलतः किसी टिप्पणी की आवश्यकता नहीं है ।
10.	इसके अलावा प्रश्न पत्र लीक होने कि चर्चा भी जोरों पर हैं, आयोग इसकी उपयुक्त कमिटी द्वारा जांच करवाए।	Leakage of question paper in any such examination would be mega news. Such an incident will become public knowledge in a matter of minutes. In view of the examination having taken place on September 19, 2021 and not a shred of evidence having surfaced during the intervening two months, the claim is frivolous and absurd.	इस प्रकार की परीक्षा में प्रश्न पत्र का लीक होना एक वृहद् समाचार होगा । ऐसी घटना कुछ ही पलों में Public Knowledge बन जाती है । आयोग की यह परीक्षा जो 19 सितम्बर 2021 को सम्पन्न हुई है, को दो माह से अधिक हो गया है और इस अवधि में प्रश्न पत्र लीक होने का तनिक भी साक्ष्य नहीं मिलना दर्शाता है कि यह दावा निरर्थक है ।
11.	उपर्युक्त बिन्दुओं को गंभीरतापूर्व लेते हुए आयोग मुख्य परीक्षा को स्थगित रखते हुए प्रारम्भिक परीक्षा रद्द करे।	The Commission finds no merit in the argument.	इस दावे में कोई मेरिट नहीं है ।
12.	परीक्षाफल का प्रकाशन Rules-2021 के कंडिका 17(II) तथा विज्ञापन संख्या 01/2021 की कंडिका 10(2) (iv) एवं (v) में वर्णित पर्वाधानों का उल्लंघन करते हुए किया गया हैं।	Please refer to serial number 4.	कृपया कंडिका–4 का अवलोकन करें ।
13.	परीक्षाफल के प्रकाशन में मुख्य परीक्षा के लिए कुल रिक्तियों का 15 गुणा (irrespective of category) अर्थात सबों को एक मानते हुए रिजल्ट जारी किया जाना था जो नहीं किया गया हैं। यहां सिंगल कटऑफ (single cutoff) कि अनदेखी कि गयी हैं और जे०पी०एस०सी० के द्वारा अपने ही विज्ञापन का उल्लंघन कर रिजल्ट जारी किया गया है।	Please refer to serial number 4.	कंडिका– 4 पर स्थिति स्पष्ट है ।
14.	परीक्षाफल में विकलांगों कि कोटी कि अनदेखी की गई है।	The claim is incorrect.	यह दावा गलत है ।
15.	PT के पेपर -1 एवं पेपर -2 में लगभग 20 प्रश्नो में गड़बड़ियां थीं। जे०पी०एस०सी० के द्वारा एक्सपर्ट कमिटी के गठन के बाद भी जे०पी०एस०सी० उनका सही निराकरण नहीं कर पाया, जिसके कारण मेघावी छात्रों को काफी हानि हुई है। यह जे०पी०एस०सी० निष्क्रियता और अक्षमता को इंगित करता है।	This is factually incorrect. After inviting applications from candidates on the answer key an expert committee was constituted to examine such questions. The process was carried out in accordance with the rules.	यह तथ्यात्मक रूप से गलत है । मॉडल उत्तर पर अभ्यर्थियों से आपत्ति प्राप्त करने के पश्चात् विशेषज्ञों की समिति गठित कर प्रश्नों की जांच कराई गई । यह प्रक्रिया नियमों के अनुरूप की गई है ।
16.	गृह जिला एवं पंचायत स्तर पर परीक्षा केन्द्र बनाए जाने के कारण स्थानीय अभ्यर्थियों को उनके परिचित एवं परिजन जैसे Invigilator के द्वारा प्रश्नो को हल करने में अनुचित लाभ पहुंचाया गया, जिसके परिणाम स्वरुप अनेक जिलों के अनेक सेंटरों से एक ही रूम से	The best resources of the state were put to use by the respective Deputy Commissioners.	संबंधित उपायुक्तों द्वारा राज्य में उपलब्ध सर्वोत्तम संसाधनों का उपयोग किया गया है ।

	लगातार क्रमांक वाले अभ्यर्थी पास कर गए है, जो भारी अनियमितता को दर्शाता है।		
17.	परीक्षाफल के प्रकाशन में केटेगरीवाइज कटऑफ मार्क्स जारी नहीं किया गया है, जो इस बात को दर्शाता है की रिजल्ट में भारी अनियमितता है और त्रुटियों को आयोग के द्वारा छुपाया जा रहा है।	Refer to serial number 3.	कृपया कंडिका 3 का अवलोकन करें ।
18.	परीक्षाफल के प्रकाशन के उपरांत अनेकों ऐसे अभ्यर्थी सफल घोषित किये गये हैं जिन्होंने मात्र 115 प्रश्नों का उत्तर दिया है जबकि अनेकों ऐसे अभ्यर्थी हैं जो 130 से अधिक प्रश्नों का सही उत्तर दीये हैं लेकिन इसके बावजूद असफल घोषित कीये गये हैं यही वजह है कि JPSC cutoff जारी नहीं कर रही है ।	Incorrect claim.	दावा गलत है ।
19.	जे०पी०एस०सी० के सभी candidates (सफल एवं असफल दोनों) यह मांग कर रहे है कि जे०पी०एस०सी० के इस रिजल्ट को रद्द किया जाए और तत्पश्चात जे०पी०एस०सी० को भंग कर परीक्षा का आयोजन यू०पी०एस०सी० के द्वारा कराया जाए, ताकि जे०पी०एस०सी० की परीक्षा और candidates का चयन निष्पक्ष एवं तटस्थ तरीके से हो सके और राज्य के मेघावी छात्र इस सेवा में आ सकें। संविधान के अनुच्छेद 315 (4) में प्रवधान है कि यदि राज्यपाल राष्ट्रपति से अनुरोध करे और राष्ट्रपति इस अनुरोध को स्वीकार कर ले तो यू०पी०एस०सी० राज्य को सेवाओं की परीक्षा का संचालन कर सकता है।	The Commission doesn't consider it appropriate to respond to this point.	आयोग इस बिन्दु पर टिप्पणी करना उचित नहीं समझता है ।
20.	वार्ता के कम में चार जिलों यथा रांची, बोकारो, जमशेदपुर एवं धनबाद के अपेक्षाकृत पर्याप्त संख्या में अभ्यर्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण नहीं किया। (मौखिक प्रश्न)	The point raised implicitly suggests inequity, with bias against students from the other 20 districts of the state. The Commission refrains from comment.	यह प्रश्नकर्त्ता के मस्तिष्क में पूर्वाग्रह को दर्शाता है । आयोग इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं समझता है ।

ह0/–
सचिव
झारखण्ड लोक सेवा आयोग, रांची

JHARKHAND PUBLIC SERVICE COMMISSION

Combined Civil Services Examination (PT)-2021 (Advt. No. 01/2021)

Cut-off Marks

Category	Cut-off Marks
UNR	260
ST	230
SC	238
EBC(Annexure-I)	252
BC (Annexure-II)	252
EWS	238

Horizontal Details

Female

Category	Cut-off Marks
UNR	260
ST	230
SC	238
EBC(Annexure-I)	252
BC (Annexure-II)	252
EWS	238

Sports

Category	Cut-off Marks
UNR	212
ST	210
SC	230
EBC(Annexure-I)	218
BC (Annexure-II)	214
EWS	210

Primitive Tribe

Cut-off Marks-220

PH Type

PH Type	Vacancy	Selected	Cut-off Marks
Autism & Multiple Disability	1	16	180
Blind	2	30	220
Deaf and Dumb	2	30	212
Locomotive	2	31	246